

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II-खण्ड 3--उपखण्ड (ii)

PART II--Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 265]

नई बिल्ली, सोमबार, जुन 27, 1977 माषाढ़ 6, 1899

No. 265]

NEW DELHI, MONDAY, JUNE 27, 1977/ASADHA 6, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सर्व ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filled as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 27th June 1977

SO, 420(E)/18E/IDRA/77—Whereas by the Order of the Government of India, in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No SO, 484(E)/18AA/IDRA/75 dated the 8th September, 1975, issued under clause (a) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) (hereinafter referred to as the said Order), as amended by Order SO 511(E)/18AA/IDRA/75 dated the 12th September, 1975, Central Government have authorised Shri M. K. Modwel to take over the management of the industrial undertaking known as Messrs. Ancillary Industries (Forgings) Private Limited, Calcutta (hereinafter in this Order referred to as the industrial undertaking), for the period specified therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18E, read with sub-section (5) of section 18AA, of the said Act, the Central Government specifies in the Schedule annexed hereto, the exceptions, restrictions and limitations subject to which the Companies Act, 1956 (1 of 1956) shall continue to apply to the said industrial undertaking in the same manner as it applied thereto before the issue of the said Order

				,	Тнв Ѕснврицв
Provision 1956		Compa	nies A	Act,	Exceptions, restrictions and limitations subject to which the provisions mentioned in column (1) shall apply to the undertaking
	I				2
Section	294A			•	The provisions of this section shall not apply to the industrial undertaking
Section	294AA	•	•	•	The provisions of this section shall not apply to the industrial undertaking

[No. F. 2/29/75-CUC] A K. GHOSH, Addl. Secy.

उद्योग मंत्रालय (ग्रौद्योगिक विकास विभाग)

श्रादेश

नई दिल्ली, 27 जन, 1977

का० आ० 420(आ) '18 ई आई० डी० आर० ए०/77. — केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (1) के खंड (क) के अधीन जारी किए गए आदेश सं० का०आ० 511 (प्र)/18 एए आई०डी०आर०ए० '75, दिनाक 12 सितम्बर, 1975 द्वारा यथा संशोधित भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) में आदेश सं० का० आ० 484 (अ)/18 एए आई०डी०आर०ए० 75 दिनांक 8 सितम्बर, 1975 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) श्री एम० के० माडवेल को, मैसर्स एत्सीलरी इ डस्ट्रीज (फोर्जिग्स) प्रा० लि०, कलकत्ता (जिसे इस आदेश में इसके पश्चात् औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) का प्रबंध इसमें विनिर्दिष्ट अविध के लिए प्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया है।

श्रतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 18 कक की उपधारा (5) के साथ पिटत, धारा 18 इ की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, इससे उपाव अनुसूची में वे अपवाद, निर्वधन श्रौर परिसीमाएं विनिर्दिष्ट करती है जिनके श्रधीन रहते हुए, कंपनी श्रधिनियम, 1956 (1956 का 1) उक्त श्रौद्योगिक उपक्रम को उसी रीति में लागू होता रहेगा जिसे रीति में वह उक्त श्रादेश के जारी होने से पूर्व लाग होता था।

ग्रनसची

कंपनी भ्रधिनियम, 1956 के उपबंध	वे उपवान, निर्वेन्धन श्रीर परिसीमाएं जिनके श्रधीन रहते हुए स्तम्भ (1) में वर्णित उपबंध इस उपक्रम को लागू होगे।
1	2
घारा 294 क	इंस खंड के उपबंध, इस भ्रौद्योगिक उपकम को लागु नहीं होगे।
धारा 294 कक	इस खंड के उपबंध, इस भ्रौद्योगिक उपक्रम को लागू नही होगे।
	[स॰ फा॰ 2/29/75-सी॰यू॰सी॰]
	ग्रहण कुमार घोष, ग्र पर समिव ।

मद्या प्रवन्धक, भारत सरकार मृत्रुणालय, मिन्टो रोड, नर्ज्ञ दिल्ली द्वारा मृद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD, NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977